संपादकीय

कायम है निजता का सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने निजता को बुनियादी अधिकार घोषित किया था। स्कूलों में बच्चों की निगरानी के मामले में इस फैसले का इम्तहान होगा। वैसे सीसीटीवी कैमरों की वजह से स्कूलों में अपराध कम हुए हैं, ये साबित करने वाले साक्ष्य मौजूद नहीं हैं।

दिल्ली में ज्यादातर स्कूलों में फिलहाल सीसीटीवी कैमरा लगाए जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि ऐसा छात्रों की सुरक्षा के लिए किया जा रहा है। लेकिन अभी तक वह इस बारे में आश्वस्त करने में विफल रही है कि क्या स्कूली बच्चों का फुटेज सुरक्षित रहेगें और क्या डाटा सुरक्षा कानूनों से उन्हें सुरक्षा मिल पाएगी? कुछ आपराधिक घटनाओं के बाद छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए दिल्ली सरकार ने 2017 में स्कूलों में सीसीटीवी कैमरा लगाने का फैसला किया था। खबरों के मुताबिक अब सरकार ने प्रोजेक्ट का दायरा बढ़ा दिया है। जल्द ही सीसीटीवी की लाइव फीड एक पासवर्ड वाले पोर्टल के जरिए बच्चों के परिजनों को भी मुहैया कराई जाएगी। पिछले साल शिक्षा मंत्रालय ने स्कूल के फाटकों और दूसरी सवेदनशील जगहों पर भी कैमरे लगाने के निर्देश जारी किए थे। दिशानिर्देशों के मुताबिक जरूरत पड़ने पर 15 दिनों का फुटेज स्कूल और अधिकारियों को मुहैया कराया जाएगा। जाहिर है, सरकार इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) जैसे इंटरनेट स्वतंत्रता के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों की आशंकाओं को दरकिनार कर दिया है। जबकि इन संगठनों को अंदेशा है कि सीसीटीवी कैमरे भला कम, नुकसान ज्यादा कर सकते हैं।

इस वर्ष जुलाई में आईएफएफ ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को एक चिट्ठी लिखी थी। इसमें उसने आगाह किया था कि सरकारी स्कूलों में बच्चों के सीसीटीवी फुटेज को अनाधिकृत पहुंच हासिल करना संभव होगा। उसका नतीजा कल्पना से परे है और उससे होने वाले नुकसान की भरपाई भी संभव नहीं है। ऐसे संगठनों की यह बात तार्किक है: डेटा सुरक्षा कानून की ढाल के बिना ये कहना मुश्किल है कि बच्चों के सर्विलांस फुटेज का उपयोग होगा या दुरुपयोग। क्योंकि सुरक्षा के उपायों को लेकर सरकार ने समाज को आश्वस्त करने की जरूरत महसूस नहीं की है। 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने निजता को संविधान प्रदत्त बुनियादी अधिकार घोषित किया था। साफ है कि स्कूलों में बच्चों की निगरानी के मामले में इस फैसले का इम्तहान होगा। वैसे विशेषज्ञों का दावा है कि सीसीटीवी कैमरों की वजह से स्कूलों में अपराध कम हुए हैं, ये साबित करने वाले डेटा और साक्ष्य मौजूद नहीं हैं।

जियो की 5जी सेवा उज्जैन से प्रारंभ

उज्जैन। संचार के क्षेत्र में अग्रणी माने जानी वाली जियो ने आज मध्यप्रदेश के उज्जैन स्थित श्रीमहाकाल लोक में भगवान शिव को समर्पित करते हुए जियो ट्रू 5जी सेवा प्रारंभ की। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने औपचारिक तौर पर जियो ट्रू 5जी और जियो ट्रू 5जी पावर्ड वाई फाई सेवा लांच किया।

इस अवसर पर श्री चौहान ने कहा कि आज का दिन मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास के लिए ऐतिहासिक है। रिलायंस जियो समूह की 5जी सेवा एक नयी क्रांति है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत निर्माण का लक्ष्य रखा है और इसी के अनुरूप मध्यप्रदेश में भी काम किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर बताया गया कि 4जी सेवा में हमें 100 एमबीपीएस की स्पीड मिलती है और अब 5जी में हमें 1500 एमबीपीएस की स्पीड मिलेगी। नयी सेवा का उपयोग गुड गवर्नेंस में भी किया जा सकेगा।

इस बीच जियो की तरफ से बताया गया कि यहां महाकालेश्वर मंदिर और श्री महाकाल लोक में भगवान शिव को समर्पित करते हुए जियो ट्रू5जी सेवा प्रारंभ की गयी है। कंपनी की ओर से कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में 5जी के फायदे बताते हुए जियो कम्युनिटी क्लिनिक और एआर-वीआर डिवाइस जियो ग्लास का प्रदर्शन (डेमो) भी किया गया। इसके जरिए मध्यप्रदेश के लोगों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

श्री चौहान ने कहा कि उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर और श्री महाकाल लोक धार्मिक महत्व के स्थल हैं। देश और दुनिया भर से लाखों भक्त भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए हर दिन इस मंदिर में आते हैं। मध्यप्रदेश और उसके लोगों के लिए ये लॉन्च एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो जियो की ट्रू 5जी सेवाओं से अत्यधिक लाभान्वित होंगे।

मुझे बताते हुए ये खुशी हो रही है कि 30 दिन से भी कम समय में जनवरी 2023 के महीने में इंदौर में भी जियो ट्रू 5जी सेवाओं की शुरुआत हो जाएगी। ट्रू 5जी के साथ आम आदमी, छात्र, व्यवसायी, आईटी, स्वास्थ्य पेशेवर के साथ कृषि, शिक्षा, चिकित्सा, सूचना प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में नए अवसरों और अतिरिक्त रोजगार के साथ बदलाव आएगा। 5जी नागरिकों और सरकार को वास्तविक समय के आधार पर जुड़े रहने में सक्षम बनाएगा और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के लिए सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन और दक्षता में भी सुधार करेगा।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए जियो के प्रवक्ता ने कहा, हमें श्री महाकाल महालोक से जियो ट्रू 5जी सेवाएं शुरू करने का सौभाग्य मिला है, जो अब मध्य प्रदेश का पहला जियो ट्रू 5जी कॉरिडोर है। जल्द ही, ट्रू 5जी नेटवर्क पूरे मध्य प्रदेश में तेजी से फैलेगा। मध्यप्रदेश में जियो इकलौता 5जी नेटवर्क है। इस तकनीक की परिवर्तनकारी ताकत और इसके द्वारा हर नागरिक को प्रदान किए जा सकने वाले लाभ के कारण जियो के इंजीनियर हर भारतीय को ट्रू 5जी देने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। हम एमपी सरकार के डिजिटलीकरण और इसे आगे बढ़ाने में अपना समर्थन देने के लिए मप्र सरकार के आभारी हैं।''

केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा झटका, नहीं मिलेगा 18 महीने के डीए एरियर का पैसा

नई दिल्ली । सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा झटका दिया है। जो लोग भी 18 महीने के डीए एरियर के इंतजार में हैं उनके लिए बुरी खबर है। दरअसल, वित्तमंत्रालय की तरफ से राज्यसभा में सरकार की तरह से कहा गया कि कर्मचारियों को उनके 18 महीने का लटका हुआ डीए एरियर का पैसा नहीं मिलेगा। सरकार ने जानकारी देते हुए कहा है कि कर्मचारियों को तीन किस्तों का पैसा नहीं दिया जाएगा। इस तरह का सरकार की तरफ से फिलहाल अभी कोई भी प्रावधान नहीं है। यह डीए एरियर का पैसा महामारी के समय का है, कोरोना काल में सरकार ने डीए एरियर और पेंशनर्स के डीआर को रोक दिया था।

राज्यसभा सांसद नारण-भाई जे राठवा ने सरकार से पूछा कि क्या सरकार कर्मचारियों को उनके डीए एरियर का पैसा देगी, इसके जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की तरफ से 18 महीने के डीए एरियर को लेकर कई मांगे आ रही हैं, लेकिन कोरोना काल में प्रतिकूल वित्तीय प्रभाव की वजह से इस पैसे को जारी किए जाने का कोई प्लान नहीं है। वहीँ, सरकार की इस बात से कर्मचारी यूनियन बिल्कुल भी खुश नहीं है। उनका कहना है कि इस पैसे को रोका नहीं जा सकता है। कोरोना काल में डीए नहीं बढ़ने के बाद भी कर्मचारियों ने काम किया है। बता दें सरकार के इस अवधि के महंगाई भत्ता जारी न करने से करीब 34,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है।

जी 20 एफसीबीडी बैठक के दूसरे दिन सात सत्रों में हुई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

बेंगलुरू । भारत की अध्यक्षता में हो रही जी 20 सम्मेलन के तहत जी 20 वित्त एवं केन्द्रीय बैंक के उप प्रमुखों की बैठक के दूसरे दिन आज यहां सात सत्रों में वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, इंफ्रास्ट्रक्चर, सतत वित्त, अंतरराष्ट्रीय कराधान, वैश्विक स्वास्थ्य, वित्तीय क्षेत्र और वित्तीय समावेशन पर चर्चा की गयी।

जी 20 वित्त ट्रेक के तहत हो रही इस बैठक में 160 प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

इस बैठक से इतर 21वीं सदी की चुनौतियों पर भी चर्चा की गयी। इसके साथ ही जलवायु चुनौतियों के प्रबंधन में और हरित वित्त उपलब्धता मे केन्द्रीय बैंकों की भूमिका पर भी चर्चा की गयी।

यह बैठक आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ और रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा की सह अध्यक्षता में हुयी। बैठक के साथ प्रतिनिधियों को कर्नाटक की समसामयिक सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में भी बताया गया।

डाबर का एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ावा देने की पहल

नई दिल्ली । आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने आज सेंटर फॉर इंटरनेशनल फॉरेस्ट्री रीसर्च एवं वर्ल्ड एग्रोफॉरेस्ट्री के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, औडिशा, आन्ध्र प्रदेश, असम और तमिलनाडु में एग्रोफॉरेस्ट्री का उपयोग करते हुए वनों के बाहर और खेतों में पेड़ों एवं पौधों में सुधार लाने के लिए अभियान की शुरूआत की।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस अभियान के द्वारा मेडिसिनल एवं एरोमेटिक पौधों और फलों वाले पौधों पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाएगा। डाबर द्वारा शुरू किया गया यह अभियान वनों के बाहर एवं खेतों में पेड़ों की संख्या बढ़ाने में कारगर साबित होगा, जिससे वानिकी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन में कमी लाने के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी। साथ ही आस-पास के समुदायों को आजीविका के स्थायी अवसर भी मिलेंगे।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित मल्होत्रा ने कहा डाबर में प्रकृति हमारे कारोबार का मुख्य आधार है। प्राकृतिक अवयवों से बने प्रोडक्ट की व्यापक रेंज के साथ हम हर परिवार को अच्छा स्वास्थ्य देने के लिए लगातार काम करते रहे हैं। साथ ही हम प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने के लिए भी काम करते हैं और अपनी मूल्य श्रृंखला के बाहर भी इस तरह के प्रयासों को अंजाम देते हैं। डाबर के लिए गर्व की बात है कि वनों के बाहर एग्रोफॉरेस्ट्री को बढ़ावा देने का मौका मिला है। यह पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करने की दिशा में हमारा एक ओर कदम है, जिससे भूमि के क्षरण एवं जैव विविधता के नुकसान को कम किया जा सकेगा।

योजना के तहत चिकित्सकीय गुण वाले चुनिंदा पौधों पर ध्यान दिया जाएगा, इसके अलावा सैटेलाईट नर्सरियां भी स्थापित की जाएंगी ताकि किसान को पौधे लगाने के लिए गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराई जा सके।

इंटरनेट को लेकर अपना फ्रेमवर्क खुद बनाएगा भारत : दुबई में बोले चंद्रशेखर

नई दिल्ली । केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और कौशल विकास व उद्यमिता राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर का कहना है कि भविष्य में इंटरनेट को लेकर नीतियां बनाने के लिए भारत को किसी दूसरे देश या वैश्विक प्रथा का अनुकरण की जरूरत नहीं है।

श्री चंद्रशेखर ने कहा कि देश के 82 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को यह तय करने का अधिकार है कि उन्हें किस प्रकार का इंटरनेट चाहिए। वह इंडिया ग्लोबल फोरम की ओर से दुबई में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संयुक्त अरब अमीरात के मंत्री उमर सुल्तान अल ओलामा के साथ एक विशेष सत्र की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार इंटरनेट को खुला, सुरक्षित और भरोसेमंद एवं जवाबदेह इंटरनेट बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री चंद्रशेखर ने कहा,''इंटरनेट संचालन के लिए यूरोप के जीडीपीआर (डाटा संरक्षण के सामान्य नियम) को स्वर्णमान यानी मानक जाता है। लेकिन हम इससे सहमत नहीं है। हम (भारत) 82 करोड़ इंटरनेट यूजर के साथ ग्लोबल इंटरनेट पर सबसे सबसे बड़ी उपस्थिति दर्ज करानेवाले (देश) हैं और हमे अपनी नियति को आकार देने का अवसर मिलना चाहिए। इसलिए हम अपनी राह खुद तय करेंगे और इंटरनेट के लिए अपना फ्रेमवर्क खुद बनाएंगे।''

जनता के परामर्श के लिए हाल ही में सार्वजनिक किए गए डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक पर चर्चा करते हुए आईटी राज्यमंत्री ने कहा, अपने नागरिकों के डिजिटल अधिकारों की रक्षा करना सरकार का दायित्व है। लेकिन हम नहीं मानते हैं कि भारत में हो रहे नवाचार के इकोसिस्टम पर इससे कोई असर पडना चाहिए।''

भारत के स्टैक का जिक्र करते हुए, श्री चंद्रशेखर ने कहा कि देश में सरकार और नागरिकों के बीच भरोसा कायम करने बनाने में भारत के स्टैक से मदद मिली है। इससे हस्तांतरण की बाधाएं दूर हो गई हैं और सरकारी निधियों का लाभार्थियों तक हस्तांरण आसान हो गया है। भारत के स्टैक को अन्य देश भी अपना सकते हैं।

एसबीआई ग्राहकों को झटका! होम, ऑटो सहित सभी लोन महंगे, बढ़ जाएगी ईएमआई

नई दिल्ली । देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने अपने ग्राहकों को बड़ा झटका दिया है। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में बढ़ोतरी के बाद अब एसबीआई बैंक ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ लेंडिंग रेट में 0.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है।

एमसीएलआर में इस बढ़ोतरी से ग्राहकों की लोन ईएमआई बढ़ जाएगी। बैंक की वेबसाइट के अनुसार, नई ब्याज दरें 15 दिसंबर 2022 से प्रभावी हो जाएंगी। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में 0.35 फीसदी की बढ़ोतरी करने के बाद बैंक्स अपनी एमसीएलआर को बढ़ा रहे हैं। रेपो रेट अब बढक़र 6.25 फीसदी हो गई है। आरबीआई के इस फैसले के एक सप्ताह बाद ही एसबीआई ने भी अपना कर्ज महंगा कर दिया है।

किस अवधि पर कितना ब्याज

नई दर वृद्धि के बाद एसबीआई की एक दिन की अवधि वाली एमसीएलआर 7.60 फीसदी से बढक़र 7.85 फीसदी हो गई है। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार, एक महीने और तीन महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर 7.75 से बढक़र 8 फीसदी हो गई है। वहीं छह महीने और एक साल की अवधि के लिए बैंक की एमसीएलआर 8.05 फीसदी से बढक़र 8.30 फीसदी हो गई है। दो साल की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.25 फीसदी से बढक़र 8.50 फीसदी हो गई है। वहीं, तीन साल की अवधि वाली एमसीएलआर 8.35 फीसदी से बढक़र 8.60 फीसदी हो गई है।

स्विट्जरलैंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखाई जाएगी द कश्मीर फाइल्स

विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स 11 मार्च को रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली है। अब इसका प्रीमियर स्विट्जरलैंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में होने वाला है। निर्देशक विवेक ने ट्विटर पर पोस्ट शेयर करते हुए प्रशंसकों को इस संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि द कश्मीर फाइल्स को प्रतिष्ठित स्विट्जरलैंड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ऑफिशियल सेलेक्शन कैटेगरी के लिए चुना गया है।

इस फिल्म ने दुनियाभर में 340.92 करोड़ रुपये की कमाई की है। भारत में इसने 252.90 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। खबरों की मानें तो इसे करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है। इसकी कहानी सच्ची घटना को केंद्र में रखकर बुनी गई है, जिसमें कश्मीरी पंडितों के पलायन और नरसंहार को फिल्माया गया है। फिल्म में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी और चिन्मय मंडलेकर दिखे हैं।

सिद्धार्थ मल्होत्रा की मिशन मजनू 20 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और रश्मिका मंदाना की फिल्म मिशन मजनू ने ओटीटी की राह पकड़ ली है। अब मेकर्स ने फिल्म की ओटीटी रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा कर दी है। फिल्म को अगले साल 20 जनवरी को सीधे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर प्रसारित कर दिया जाएगा। नेटफ्लिक्स ने ट्विटर पर एक पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की प्रीमियर की तारीख का ऐलान किया है। बता दें कि शांतनु बागची ने फिल्म का निर्देशन किया है।

नेटफ्लिक्स ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए अपने ट्वीट में लिखा, एक जांबाज एजेंट की अनसुनी कहानी। मिशन मजनू। 20 जनवरी से देखिए केवल नेटफ्लिक्स पर। इसकी कहानी पाकिस्तान की धरती पर भारत के सबसे महत्वाकांक्षी रॉ ऑपरेशन पर आधारित है।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपकी अपेक्षाओं के अनुसार रहेगा। सामाजिक एवं पारिवारिक क्षेत्र पर आज आप भाग्यशाली माने जाएंगे। आपके अधिकांश कार्य सरलता से बनते चले जाएंगे। जायदाद सम्बंधित कार्यो को आज करना शुभ रहेगा।

वृष : आपका आज का दिन सामान्य रहेगा। परिजनों का सहयोग मिलेगा। संबंधो में मधुरता लाने का प्रयास करें। गलतफहमियां आज परेशान कर सकती है। कार्य क्षेत्र पर प्रतिस्पर्धा अधिक रहने से अधिक ध्यान देना पड़ेगा।

मिथुन : आज का दिन आपको मिश्रित फलदायी रहेगा। दिन के पूर्वार्ध में शारीरिक रूप से असमर्थ रहेंगे आलस्य अधिक रहने से उत्साह की कमी रहेगी। परिवार का वातावरण असहज रह सकता है।

कर्क : आज का दिन आनंददायक रहेगा। आज आप लगभग प्रत्येक क्षेत्र पर सफल रहेंगे। सफलता के पीछे परिजनों का भी विशेष योगदान रहेगा फिर भी आज स्वार्थ की मनोवृत्ति अधिक रहने से किसी का अहसान नहीं मानेंगे।

सिंह : आज के दिन आपके लिए विशेष रहेगा। धन को लेकर चिंता न करें बल्कि धन सम्बंधित मामलो को प्राथमिकता से निपटाएं अन्य सब सही होगा। कार्य व्यवसाय में धन लाभ होते होते आगे के लिए टलेगा।

कन्या : आज आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से बेहतर अनुभव करेंगे। दिन के आरम्भ में किसी इच्छित कार्य के बनने से मन में उत्साह बढेगा। व्यवहार में भी मधुरता रहने से आसानी से अपने कार्य निकाल सकेंगे।

तुला : आज के दिन आपको संयमित व्यवहार करने की सलाह है। स्वाभाव में उग्रता रहने सही नहीं होती ध्यान रहे। आपके कार्य करने का तरीका किसी अन्य के लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है।

वृश्चिक : आज के दिन कार्य क्षेत्र के साथ साथ घरेलु कार्य अधिक रहने से व्यस्तता बढ़ेगी। दोपहर का समय धन लाभ के अवसर भी मिलेंगे परन्तु आशा के अनुसार सफलता नहीं मिल पाएगी।

धनु : आज का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। व्यापार अथवा नौकरी करने वाले जातक आज परिश्रम के बाद ही कार्य में सफलता पा सकेंगे। उच्चाधिकारी से किसी बात पर मतभेद रह सकता है।

मकर : आज आपके मन के विचार थोड़ी-थोड़ी देर में बदलते रहेंगे जिससे कोई भी ठोस निर्णय लेने में दिक्कत आएगी। परन्तु फिर भी आज आपका ध्यान सुख के साधनों की हर हाल में वृद्धि करने में रहेगा।

कुंभ : आज का दिन सामान्य रहेगा। आज के दिन आप अपने ही गैरजिम्मेदार व्यवहार से बचें। कार्यो में लापरवाही भी अधिक न करें। हर कार्य में शक करने के कारण परिवार अथवा कार्य क्षेत्र पर सौहार्द पूर्ण रहें। व्यवसाय आशा के अनुकूल रहेगा।

मीन : आज घर एवं सामाजिक क्षेत्र पर आपके विचारों को पसंद किया जाएगा। अनजान लोग भी आपकी बातों से प्रभावित होंगे नए मित्र एवं जनसंपर्क बनेंगे। सेहत भी आज अच्छी रहेगी। कार्य क्षेत्र पर अपने बल पर कार्य करेंगे। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी। आज किसी से मदद अथवा शिफारिश नहीं लेंगे। पुराने रुके हुए कार्यो में आश्चर्यजनक रूप से गति आएगी।

घर पर बनाएं हलवाई स्टाइल मिल्क केक

हर कोई मिल्क केक खाना पसंद करता है। इस मिठाई को आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। इसे बनाने की सामग्री भी किचन में आसानी से मिल जाएगी। तो आइए जानते हैं, मिल्क केक बनाने की विधि।

सामग्री :

4 लीटर दूध, 2 चम्मच घी, चीनी- 250 ग्राम, 2-3 चम्मच नींबू का रस, 1 चम्मच इलायची पाउडर, बादाम

विधि :

- एक पैन दूध उबालें, फिर इसमें नींबू का रस डालकर दूध फटने के लिए छोड़ दें।
- जब तक दूध अच्छी तरह फट न जाए, तब तक इसे चलाते रहें।
- अब इसमें इलायची पाउडर और घी डालें।
- फिर चीनी अच्छे से मिक्स कर दें।
- जब तक सारा मिश्रण कड़ाही के किनारों को छोड़ने न लगे, तब तक इसे पकाते रहें।
- अब एक बड़े ट्रे को घी से ग्रीस कर लें, इसमें मिश्रण को निकालकर रख लें।
-इसे बादाम से गार्निश करें, सारी रात के लिए ढककर रखें।
- फिर मनचाहे आकार में काटकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 282

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का दुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

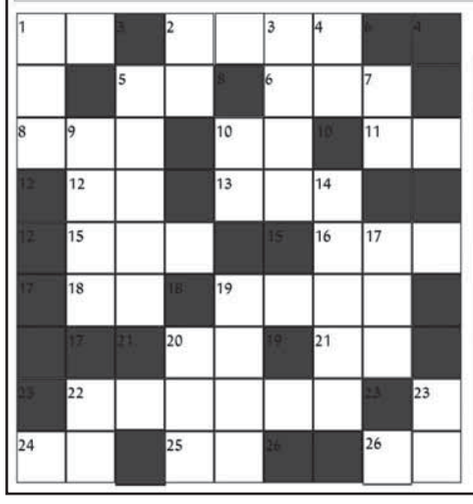

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 281 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

सू-दोकू- 282

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.281 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6